विश्व मगरमच्छ दिवस 2024

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

17 जून को विश्व मगरमच्छ दिवस मनाया जाता है। यह दिन विश्व भर में संकटग्रस्त मगरमच्छों एवं घड़ियालों की स्थिति को उजागर करने के लिये एक वैश्विक जागरूकता अभियान है।

मगरमच्छ संरक्षण परियोजना क्या है?

- **परिचय:**
    - मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के पारित होने के तुरंत बाद संयुक्त राष्ट्र तथा **भारत सरकार** द्वारा शुरू की गई थी।
    - प्राथमिक उद्देश्य **प्राकृतिक आवासों की रक्षा** करना, **कैप्टिव ब्रीडिंग के माध्यम से मगरमच्छों की संख्या** को बढ़ावा देना और साथ ही प्राकृतिक वातावरण में नवजात शिशु के जीवित रहने की कम दर का समाधान करना।
    - इस परियोजना के तहत देश के संकटग्रस्त मगरमच्छों के संरक्षण एवं पुनर्वास हेतु **भारत में 34 स्थानों पर प्रजनन केंद्र** स्थापित किये गए, जिनमें **भितरकनिका** भी शामिल है, इसमें विशिष रूप से खारे पानी मगरमच्छों या समुद्री मगरमच्छों (⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰) पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **मगरमच्छ की वर्तमान संख्या और वितरण:**
    - भितरकनिका में खारे जल के मगरमच्छों की संख्या वर्ष 1975 में 95 थी, जो नवीनतम सरीसृप जनगणना रिपोर्ट (2023) के अनुसार बढ़कर 1,811 हो गई है।
    - वर्तमान में खारे जल के मगरमच्छ भारत में तीन मुख्य स्थानों पर पाए जाते हैं:**भितरकनिका, सुंदरबन** तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **मानव-मगरमच्छ संघर्ष:**
    - भितरकनिका में मगरमच्छों की बढ़ती संख्या के कारण मनुष्यों के साथ **संघर्ष की घटनाएँ बढ़ गई** हैं, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2014 से अब तक 50 मौतें हो चुकी हैं, जिसके कारण अधिकारियों को हमलों को रोकने के लिये 120 नदी तटों पर बैरिकेड्स लगाने पड़े, जिसके पश्चात् भी संघर्ष जारी है।

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस 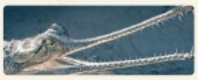	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I	परिशिष्ट I
CMS स्थिति	परिशिष्ट I	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची I	अनुसूची I	अनुसूची I
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 मगर संरक्षण कार्यक्रम मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

//

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के बारे में मुख्य तथ्य:

- **भितरकनिका** राष्ट्रीय उद्यान उड़ीसा में 672 किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है।
- यह सुंदरबन के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र है।

- **राष्ट्रीय उद्यान मूलतः खाड़ियों और नहरों का एक नेटवर्क** है जो ब्राह्मणी, वैतरणी, धमरा तथा पटसाला नदियों के जल से आवृत है, जो एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है।
- [बंगाल की खाड़ी](#) से इसकी निकटता के कारण इस क्षेत्र की मिट्टी लवणों से समृद्ध है और अभयारण्य की वनस्पति तथा प्रजातियाँ मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय अंतःज्वारीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं।
- यह [खारे पानी के मगरमच्छों](#) का प्रजनन स्थल है।
- **गहिरमाथा** समुद्र तट, जो पूर्व में अभयारण्य की सीमा बनाता है, [ओलिव रिडले समुद्री कछुओं](#) की सबसे बड़ी कॉलोनी है।
- **भितरकनिका किंगफिशर पक्षियों** की **आठ प्रजातियों को भी आवास** है, जो **एक दुर्लभ प्रजाति** है।

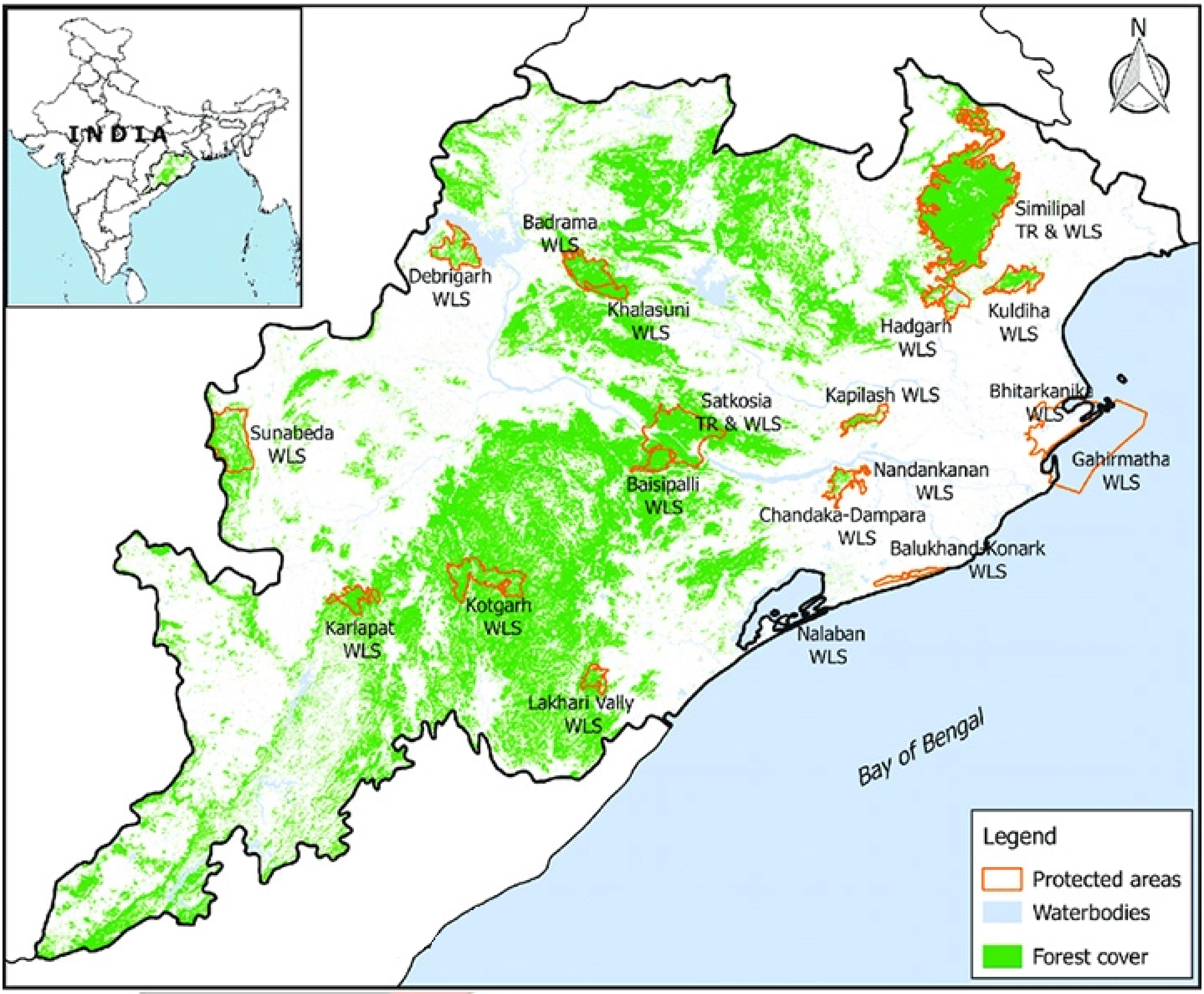

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. यदि आप घड़ियालों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना चाहते हैं, तो निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान घूमने के लिये सबसे उपयुक्त है? (2017)

(a) भितरकनिका मैंग्रोव
(b) चंबल नदी
(c) पुलिकट झील

(d) दीपोर बील

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-crocodile-day-2024